संदेश

जन्माष्टमी के हर्ष और उल्लास से भरे अवसर पर, मैं भारत और विदेशों में रह रहे सभी देशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

योगेश्वर श्रीकृष्ण ने अन्याय का विरोध किया और न्याय एवं सच्चाई का साथ दि□या। उन्होंने निष्काम कर्म अर्थात् फल की इच्छा किए बिना कर्म करने का संदेश दि□या। जन्माष्टमी का पर्व श्रीकृष्ण के जीवन और उनके संदेश के प्रति स्वयं को समर्पित करने का दि□न है।

आइए, आज के दिन यह संकल्प लें कि एक बेहतर विश्व के निर्माण के लिए हम सब इन जीवन-मूल्यों को अपनाएंगे।

****